माननीय कुलाधिपति की अध्यक्षता में दिनांक 04.09.2019 को कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा के कुलपति एवं अन्य पदाधिकारियो के साथ समीक्षात्मक बैठक की कार्यवाही।

उपस्थिति– प्रपत्र–ए के अनुसार

दिनांक 04.09.2019 को माननीय कुलाधिपति की अध्यक्षता में कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा के कुलपति, प्रतिकुलपति, कुलसचिव, वित्तीय सलाहकार, परीक्षा नियंत्रक, महाविद्यालय निरीक्षक एवं अन्य पदाधिकारियों के साथ विश्वविद्यालय के कार्यों की समीक्षा की गयी।

बैठक प्रारम्भ होने के पूर्व सर्वप्रथम श्री ब्रजेश मेहरोत्रा, माननीय कुलाधिपति के प्रधान सचिव द्वारा माननीय कुलाधिपति तथा सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया गया। उनके द्वारा बैठक के लिए निर्धारित एजेंडा (संलेख) विशेषकर शैक्षणिक एवं परीक्षा सत्र का अनियमित होना, महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय के नैक मूल्याकंण, बायोमेट्रीक उपस्थिति, उपयोगिता प्रमाण पत्र का समर्पण, निर्धारित दिशा–निर्देश के आलोक में अतिथि शिक्षक (Guest Faculty) की नियुक्ति, B.S.E.I.D.C. द्वारा कराये जा रहे कार्यों, विश्वविद्यालय स्तर पर जन–शिकायत निवारण के अन्तर्गत निष्पादित मामलों, नियमित रूप से पेंशनादि के भुगतान आदि के संबंध में माननीय कुलपति से त्वरित कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया।

माननीय कुलाधिपति द्वारा अपने संबोधन में निम्न बिन्दुओं पर बल दिया गया:–

1. माननीय कुलाधिपति द्वारा शैक्षणिक सत्र को नियमित समय पर संचालन करने, परीक्षाओं के ससमय आयोजन, परीक्षाफल के ससमय प्रकाशन तथा दीक्षांत समारोह (Convocation) को नियमित अन्तराल पर आयोजित कराने का निदेश दिया गया।

2. सभी महाविद्यालयों के नैक मूल्यांकन के लिए नियमित अन्तराल पर विश्वविद्यालय स्तर पर समीक्षात्मक बैठक आयोजित करने का निदेश दिया गया।

3. सेवानिवृत होने वाले कर्मियों को सेवानिवृति के दिन ही पेंशनादि का भुगतान करने का निदेश दिया गया। सेवानिवृत होने वाले कर्मियों का सेवानिवृति की तिथि से छः माह पूर्व ही सभी पेंशन–प्रपत्र को भरने तथा आवश्यक सूचनाओं के संग्रहण का निदेश दिया गया।

4. आधारभूत संरचना को विकसित करने तथा अन्य मदों में उपलब्ध करायी गयी निधि का उपयोगिता प्रमाण–पत्र शिक्षा विभाग, बिहार सरकार को ससमय उपलब्ध कराया जाय।

5. शिक्षकों की कमी को देखते हुए अतिथि शिक्षक (Guest Faculty) को निर्धारित दिशा–निदेश के अनुसार स्वीकृत पद का आकलन कर नियुक्ति की कार्रवाई पूर्ण पारदर्शिता के साथ की जाय।

6. वृहत पैमाने पर वृक्षारोपन, विशेषकर फलदार वृक्ष लगाने का निदेश दिया गया। लगाये गये वृक्षों को जीवित रखने के लिए वनपोषक आदि की सेवा, आवश्यकतानुसार लेने का निदेश दिया गया।

7. जल संरक्षण को बड़े पैमाने पर प्रोत्साहित किया जाय एवं भवनों में Rain Water Harvesting की सुविधा मुहैया कराया जाय।

8. माननीय कुलाधिपति द्वारा विश्वविद्यालयों को गाँवों को गोद लेने का निदेश दिया गया। इन गाँवों में शिक्षा के प्रति जागरूकता, नशाबंदी के संबंध में प्रचार–प्रसार, तम्बाकु, गुटखा से होने वाली बीमारियों, सामाजिक कुरीतियों के विरूद्ध जागरूकता, स्वच्छता अभियान आदि के प्रचार–प्रसार करने का निदेश दिया गया।

9. विश्वविद्यालय में नामांकन पूरा होने के एक माह बाद छात्र संघ के चुनाव की प्रकिया प्रारम्भ की जाय। यथासंभव अक्टूबर माह में चुनाव कराया जाय।

10. योजनाओं के कार्यान्वयन में उसकी गुणवत्ता एवं पारदर्शिता का विशेष रूप से ध्यान रखा जाय।

11. माननीय कुलाधिपति द्वारा महाविद्यालयों तथा स्नातकोत्तर विभागों में नियमित कक्षाओं के आयोजन पर बल दिया गया तथा कुलपति को स्वयं इसकी मॉनिटरिंग करने का निदेश दिया गया।

12. माननीय कुलाधिपति द्वारा स्वच्छ तथा कदाचारमुक्त परीक्षाओं के आयोजन पर बल दिया गया।

13. माननीय कुलाधिपति द्वारा अंगीभूत महाविद्यालयों में संचालित स्वयं वित्त पोषित पाठ्यक्रमों (Self Financed Course) में यू.जी.सी. द्वारा निर्धारित मापदंड के अनुसार सुयोग्य शिक्षकों की नियुक्ति का आदेश दिया गया।

14. माननीय कुलाधिपति द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय में गांधी दर्शन पर संगोष्ठी, सेमिनार, संवाद, आदि के आयोजन का निदेश दिया गया।

15. माननीय कुलाधिपति द्वारा बायोमेट्रिक मशीन को तोड़ने वालों पर निरोधात्मक कार्रवाई करने का निदेश दिया गया।

माननीय कुलाधिपति के सम्बोधन के पश्चात् कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा की एजेंडावार निम्न प्रकार से समीक्षा की गयी:—

1- <u>Current & Pending Exam and Academic Calendar.</u>

लंबित परीक्षाओं की संख्या शून्य है।

2- <u>Status of NAAC.</u>

नैक मूल्यांकण के संबंध में स्थिति निम्नवत् है:—

- 31 अंगीभूत महाविद्यालय हैं।
- 04 का NAAC accreditation हो चुका है।
- 11 ने IIQA भरने का कार्य पूर्ण कर लिया है।
- 09 ने SSR समर्पित कर दिया है।
- 4 महाविद्यालय को पुनः 6 माह में समर्पित करने का निर्देश प्राप्त हुआ है।
- शेष महाविद्यालयों के IIQA एवं समर्पित करने का कार्य चल रहा है।
- उपर्युक्त अंगीभूत महाविद्यालयों के आधारभूत संरचना हेतु राज्य सरकार को 797638000 रुपये का प्रस्ताव भेजा गया था जो प्रक्रियाधीन है।